University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष
100 Years 1920-2020

University in News on 28 April 2020

AMAR UJALA MY CITY Page 5

लॉकडाउन खत्म होते ही लविवि में शुरू होगी ऑनलाइन डिग्री की व्यवस्था

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लॉकडाउन खुलते ही लखनऊ विश्वविद्यालय में डिग्री और अंकपत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था शुरू हो जाएगी। लंबे इंतजार के बाद विवि ने इसकी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस व्यवस्था में ऑनलाइन आवेदन के बाद अभ्यर्थी को प्रमाणपत्रों के भौतिक सत्यापन के लिए परिसर आने की अनिवार्यता है। इसी वजह से विवि लॉकडाउन खुलने का इंतजार कर रहा है। कुछ दिनों तक इसकी टेस्टिंग के बाद यह व्यवस्था स्थायी रूप से लागू हो जाएगी।

तैयारी पूरी, पर सत्यापन के लिए लविवि नहीं कर रहा शुरुआत

लखनऊ विश्वविद्यालय का परीक्षा विभाग तकनीक के साथ कदमताल करते हुए कई कदम आगे बढ़ा है। अब विवि के विद्यार्थियों को अपनी डिग्री और अंकपत्र आदि बनवाने के लिए चक्कर नहीं काटने होंगे। इसके बजाय वे विवि की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। ऑनलाइन आवेदन के बाद उन्हें टोकन नंबर दे दिया जाएगा। इसके हिसाब से उन्हें निर्धारित तारीख पर अपने प्रमाणपत्र सत्यापित कराने होंगे। प्रमाणपत्र सत्यापन का मकसद किसी दूसरे के नाम की डिग्री या फिर अंकपत्र लेने की साजिश पर रोक लगाना है। परीक्षा विभाग ने इसकी तैयारी पूरी कर ली है। लॉकडाउन समाप्त होते ही यह व्यवस्था शुरू हो जाएगी।

डिजिटल मूल्यांकन की भी होगी शुरुआत

लखनऊ विश्वविद्यालय में इस साल होने वाली एलएलबी, इंजीनियरिंग और आईएमएस के पाठ्यक्रमों की उत्तर पुस्तिकाओं का डिजिटल मूल्यांकन कराएगा। शुरुआती तौर पर डिजिटल मूल्यांकन सिर्फ तीन पाठ्यक्रमों में लागू हो रहा है। अगले साल से इसे सभी पाठ्यक्रमों में लागू किया जाएगा। डिजिटल मूल्यांकन में उत्तर पुस्तिकाएं स्कैन की जाएंगी। परीक्षकों को स्कैन की हुई उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के बाद तुरंत ऑनलाइन अंक चढ़ाने होंगे। शिक्षकों को कॉपियां भी डिजिटली आवंटित होंगी। इस तरह से उत्तर पुस्तिकाओं को निकालने और रखने का झंझट भी खत्म हो जाएगा। परीक्षक लॉग इन करने के बाद कहीं से भी उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कर सकेगा। परीक्षा नियंत्रक कार्यालय से बैठकर जांची जा रही उत्तर पुस्तिकाओं की मॉनीटरिंग भी की जा सकेगी। डिजिटल मूल्यांकन का फायदा आरटीआई से उत्तर पुस्तिका देने में भी होगा। विद्यार्थियों को आवेदन के बाद ही ईमेल आईडी पर उत्तर पुस्तिका उपलब्ध करा दी जाएगी।

"विद्यार्थियों को डिग्री और अंकपत्र उपलब्ध कराने के लिए ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था शुरू होने वाली है। इसकी सभी तैयारियां कर ली हैं। लॉकडाउन खुलने के बाद इसकी टेस्टिंग शुरू करके व्यवस्था लागू कर दी जाएगी।

- डॉ. अंजनी कुमार मिश्रा, परीक्षा नियंत्रक, लविवि

लविवि में हर विद्यार्थी को मिलेगा शिक्षक मेंटर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षक अब सभी परास्नातक विद्यार्थियों के मार्गदर्शक भूमिका में भी होंगे। इसके लिए हर विभाग में एक सूची जारी की गई है। इस सूची में प्रत्येक विद्यार्थी की जिम्मेदारी किसी न किसी शिक्षक को दी गई है। लविवि ने इसे ट्री (टीचिंग, रीचिंग, एम्बोल्डिंग, एवोल्विंग) का नाम दिया है। लविवि कुलपति प्रो. अलोक कुमार राय के निर्देश पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर पूनम टंडन ने मेंटर-मेंटी प्रोग्राम के लिए विभागवार सूची जारी की है। प्रो. टंडन ने बताया कि ट्री का मुख्य उद्देश्य, शिक्षकों का अपने ज्ञान एवं अनुभवों द्वारा परास्नातक विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करना, उनमें आत्मविश्वास पैदा करना है। इस प्रोग्राम के लिए विस्वविद्यालय के 39 विभागों और 8 संस्थानों ने विभागवार सूची लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी अपलोड कर दी है।

प्रो. शीला मिश्रा को अवॉर्ड

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग में कार्यरत प्रो. शीला मिश्रा को सोमवार को पांचवें फ्लो यूपी विमेन अवॉर्ड्स में 'आउटस्टैंडिंग विमेन इन सर्विसेज' अवॉर्ड से पुरस्कृत किया गया। प्रो. मिश्र को यह सम्मान फिक्की फ्लो कानपुर और फिक्की फ्लो लखनऊ ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदान किया गया।

HINDUSTAN Page 6

प्रो. शीला मिश्र को दी बधाई

लखनऊ। लविवि के सांख्यिकी विभाग की प्रो. शीला मिश्र को फिक्की ने 5 वें फ्लो यूपी वूमेन अवॉर्ड्स की कैटागिरी 'आउटस्टैंडिंग वूमेन इन सर्विसेज' सम्मान से नवाजा। एलयू प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश ने बताया कि प्रो. शीला मिश्र को यह सम्मान फिक्की फ्लो कानपुर और फिक्की फ्लो लखनऊ ने ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदान किया। उन्हें लोगों ने बधाई दी है।

NBT Page 6

फिक्की फ्लो अवॉर्ड्स के लिए 19 महिलाएं चयनित

■ एनबीटी, लखनऊ : फिक्की फ्लो ने विभिन्न क्षेत्र में विशेष योगदान दे रही 500 में से 19 महिलाओं को पांचवें फिक्की फ्लो अवॉर्डस के लिए चुना गया है। लखनऊ चैप्टर की चेयरमैन माधुरी हलवासिया ने बताया कि सोमवार को 5वें फिक्की फ्लो वर्चुअल अवॉर्डस 2020 का आयोजन हुआ। इसमें 19 और रनर अप रहीं महिलाओं को भी सम्मानित किया गया। एलयू के सांख्यिकी विभाग की प्रो. शीला मिश्रा को पांचवे फिक्की फ्लो यूपी की ओर से 'आउटस्टैंडिंग वुमन इन सर्विसेज' अवॉर्ड से नवाजा गया है। वाइस चेयरपर्सन पूजा गर्ग ने कहा कि 15 मार्च, 2020 को इन पुरस्कारों की योजना बनी थी, लेकिन कोरोना महामारी के कारण इसे स्थगित करना पड़ा।

TOI

Coronavirus becomes an inspiration for students of College of Arts in Lucknow

The famous Bodhisatva at Ajanta and Ellora caves replicated by a student

Srishti Rastogi making a painting

Naincy Saini's painting depicting masks being the hope of the future

God is shown handing Adam a sanitizer bottle in a recreation of Michelangelo's The Creation of Adam by a student

Akash.Wadhwa@timesgroup.com

Around 16 students of the College of Art and Crafts, Lucknow, along with Prof Rakesh Chandra, professor of Philosophy, Lucknow University and Prof Rajan Shripad Fulari – a visual artist and the other a professor at the College of Arts and Crafts – have made several paintings on the theme of Coronavirus and shared them online.

"On the invitation of Sanskritiki, the cultural wing of the Lucknow University, many students have made innovative paintings displaying hope and giving a message to to people on how to cope with the Covid 19 crisis," shares Prof Rakesh Chandra, director of Sanskritiki. "The art works of the students are really interesting and unique. Take for example a poster with a different take of 'The Creation of Adam, the famous fresco painting by Michelangelo in which God is shown giving a bottle of sanitizer to Adam. Another student has painted a replica of the Ajanta painting showing Bodhisattva with a mask and carrying a sanitizer bottle in his hand."

Dr Rajan Fulari, who received these entries through WhatsApp, says, "The students were quite keen on making the most of this lockdown period and to do something on the present situation in the world. So we made a WhatsApp group where students shared their ideas which we also fine-tuned and contributed to. Now these art works will be displayed in the centenary celebrations of the Lucknow University that will be celebrated later in the year. We will also be making a special video on the making of these art works," shares Rajan.

THE PIONEER Page 3

LU's unique initiative for students

PNS ■ LUCKNOW

Lucknow University Vice-Chancellor AK Rai and DSW Poonam Tandon launched an initiative called 'TREE' on Monday to help students during Covid-19 lockdown. Tandon said that TREE (Teaching, reaching, emboldening, evolving) is a unique initiative aimed at providing PG students personal attention, guidance and handholding through these turbulent times.

She said that as a higher education institution, Lucknow University realises that while the global village provides numerous opportunities, it also brings with it stress and cut-throat competition. "Through this initiative, LU is providing personalised guidance for academics, career and emotional upheavals by attaching the students with one teacher as a guiding light for the duration of their course. This is a form of highly personalised education beyond classrooms. It was decided that this lockdown is probably the most apt time to initiate this programme because our students are confused and perplexed, and they need a guiding force to take them through these turbulent times," she said.

She said that each faculty would mentor a set of PG students from their respective departments from entrance to exit. "The responsibilities of the mentors will be to listen to, learn and respond to difficulties faced by the students in their curricular, extracurricular as well as personal lives.

Guide both academically and socially, ensure the facilitation of untapped as well as tapped potential, work as an anchor to their mentees, train them into responsible, confident, successful individuals" she added.

AMRIT VICHAR Page 3

ट्री प्रोग्राम से परास्नातक छात्र करेंगे पढ़ाई

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने परास्नाक छात्र-छात्राओं को शिक्षा प्रदान करने के लिए नया कदम उठाया है। ट्री प्रोग्राम की शुरूआत की है। इस बारे में विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय और अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर पूनम टंडन की पहल पर ये शुरू हुई है। उन्होंने बताया कि ट्री का पूरा मतलब टीचिंग, रीचिंग, इंबोल्डिंग और इवोलिंग है। उन्होंने बताया कि ट्री प्रोग्राम मूलत: एक छात्र केंद्रित मेंटर मेंटी प्रोग्राम है। इसका मुख्य उद्देश्य, शिक्षकों का अपने ज्ञान एवं अनुभवों के माध्यम से परास्नातक विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करना, उनमे आत्मविश्वास जाग्रत करना, उनका शैक्षिक एवं मानसिक विकास करना है।